AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

ACSA

AGRAWAL PG COLLEGE

Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti
(A Co-Educational College)

WEEKLY CURRENT AFFAIRS

Important for IAS, RAS and other competitive exams

2021-22

Call Us

+91 88243 95504
+91 82 9066 4069

Address

MAHARAJA AGRASEN MARG,
AGRA ROAD, JAIPUR, INDIA, RAJASTHAN

www.acsajaipur.com

IAS-GS फाउंडेशन कोर्स क्या है?

ACSAने सदैव UPSC अभ्यर्थियों के लिए एक ऐसे मंच के निर्माण को ही अपना मुख्य उद्देश्य माना है जो उन्हें परीक्षा की तैयारी कराने में पूर्ण रूप से सक्षम हो तथा निरंतर सफलता की और मार्गदर्शितकर सके। अपने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने GS फाउंडेशन कोर्स (ऑफलाइन/ऑनलाइन) के रूप में एक ऐसा गुणवत्तापूर्ण **एवं** मात्रात्मकरूप से परिपूर्ण प्रोग्राम विकसित किया है जो UPSC अभ्यर्थियों की परीक्षा संबंधित तैयारियों कोसंवर्दितकरेगा।

अपने वर्षों के अनुभव एवं सिविल सेवा परीक्षा के अनुसंधान और विश्लेषण के बाद हम एक ऐसा प्रोग्राम उपलब्ध कराने जा रहे हैं जो इस परीक्षा की गतिशत प्रकृति के साथ-साथ UPSC की अपेक्षा में के अनुरूप है। ACSA द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सर्वाधिक समग्र प्रोग्रामों में से एक है तथा विशेष रूप से उन अभ्यर्थियों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है जो देश भर में कहीं भी पेशेवर अथवा प्रोग्रामों में संलग्न है।

हमारा क्लास रूम प्रोग्राम क्यों चुनें?

सरलीकृत रूप में व्यक्तिगत मार्गदर्शन

इस प्रोग्राम के तहत अभ्यर्थियों केसंदेहदूर करने और उन्हें प्रेरित रखने के लिए नियमित रूप से फोन/ ईमेल/ लाइवचैट के माध्यम से **वन-टू-वन** मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

कोई क्लास मिस ना करें

प्रत्येक अभ्यर्थी को एक व्यक्तिगत "स्टूडेंट पोर्टल" उपलब्ध कराया जाता हैजिस पर वह किसी भी पुराने या छूटे हुए सेशन और विभिन्न रिसोर्सेज को एक्सेस कर सकता है एवं अपने प्रदर्शन को निरन्तर ट्रैक कर सकते है।

सभी द्वारा पढ़ी गयी एवं सभी द्वारा अनुशंसित

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स पत्रिका, तथादैनिक करेंट अफेयर्स जैसी प्रासंगिक एवं अधतित अध्ययनसामग्री,जिसे विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम द्वारा संकलित किया जाताहै।

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज़

चयनित होने वाले समस्त अभ्यर्थियों में से लगभग दो-तिहाई अभ्यर्थी इस प्रोग्राम का चयन करते है।ACSAके पोस्ट टेस्ट एनालिसिस प्रोग्राम के तहत ठोससुधारात्मक उपाय प्रदान किए जाते हैं तथा यहअभ्यर्थियों के प्रदर्शन में निरंतर सुधार भी सुनिश्चित करता है।

निरंतर व्यक्तिगत आकलन

अभ्यर्थियों कोनियमित,ट्यूटोरियल,साप्ताहिक टेस्ट एवं समग्र टेस्ट सीरीज के माध्यम से व्यक्तिगत, विशिष्ट और प्रभावी फीडबैक उपलब्ध कराया जाता है।

अबाधित तैयारी

अभ्यर्थी अपने अध्ययन हेतु ACSA के लेक्चर्स एवं विभिन्नरिसोर्सेजको कहीं से भी तथा कभी भी एक्सेस कर सकते हैं और साथ हीप्रशासनिक अपडेट एवं इसके अतिरिक्त कई अन्यजानकारियाँ भीप्राप्त कर सकते हैं।

विशेषताएँ:

1. इस प्रोग्राम के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा (सामान्य अध्ययन एवं CSAT) तथा मुख्य परीक्षा (सामान्य अध्ययन के सभी चारों प्रश्न-पत्र एवं निबंध) के सभी टॉपिक्स का एक व्यापक कवरेज सम्मिलित है।
2. 10 अभ्यर्थियों से मिलकर बने प्रत्येक समूह को नियमितसलाह, प्रदर्शन के आकलन, मार्गदर्शन एवं सहायता हेतु एक वरिष्ठ परामर्शदाता उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रक्रिया को गूगल ग्रुप्स, ईमेल और टेलीफोनिक कम्युनिकेशन जैसे विभिन्न साधनों के माध्यम से संचालित किया जाएगा।
3. 3प्रोग्राम की अवधि: 20-24 माह।
4. प्रत्येक कक्षा की अवधि 2-3 घंटे, एक सप्ताह में 5-6 दिन (यदि किसी अभ्यर्थी की कक्षा का सेशन छूट जाता है तो वहउसे एक्सपर्ट द्वारा व्यक्तिगत रूप से कवर करवाया जायेगा।

Weekly Current Affairs

नेटवर्क प्रचालन एवं नियंत्रण केंद्र (Network Operation and Control Centre – NOCC)

चर्चा का कारण:

व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ाने के लिए, दूरसंचार विभाग (DoT) ने VSAT, सैटेलाइट टेलीफोन आदि जैसी सभी सेवाओं के लिए अंतरिक्ष अनुभागों के उपयोग के लिए 'नेटवर्क प्रचालन एवं नियंत्रण केंद्र' (NetworkOperation and Control Centre – NOCC) शुल्क हटा दिया है, इसके लिए विभाग द्वारा परमिट जारीकिए जाते हैं।इससे पहले, दूरसंचार विभाग द्वारा 36 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के लिए प्रति वर्ष 21 लाख रुपये प्रति ट्रांसपोंडरएनओसीसी NOCC शुल्क निर्धारित किया गया था।

NOCC के बारे में:

कक्षा में उपग्रहों के संचालन का प्रबंधन करने के लिए अंतरिक्ष विभाग के तहत 'मुख्य नियंत्रण सुविधा' के साथ-साथ 'ग्राउंड सेगमेंट' (सैटेलाइट अर्थ स्टेशनों) से प्रसारण को नियंत्रित करने के लिए 'दूरसंचार विभाग' के तहत'नेटवर्क प्रचालन एवं नियंत्रण केंद्र' (NOCC) का गठन किया गया था।

मंकीपॉक्स

मंकीपॉक्स (Monkeypox) वायरस, पॉक्सविरिडे फैमिली (Poxviridae Family) में ऑर्थोपॉक्सवायरस जीनस (Orthopoxvirus Genus) का सदस्य है। इस वायरस को बंदरों में चेचक जैसी बीमारी के रूप में पहचाना जाता है, इसलिये इसे मंकीपॉक्स नाम दिया गया है। यह नाइजीरिया की स्थानिक बीमारी है।

- 'मंकीपॉक्स' एक ज़ूनोटिक रोग (Zoonotic Disease) है अर्थात जानवरों से मनुष्यों में संचरण होनेवाला रोग है।
- गिलहरी, गैम्बियन शिकार चूहों, डॉर्मिस और बंदरों की कुछ प्रजातियों में मंकीपॉक्स वायरस केसंक्रमण का पता चला है।
- मंकीपॉक्स, चेचक के समान लक्षण पैदा करता है, हालांकि वे कम गंभीर होते हैं।
- 1980 में टीकाकरण से दुनिया भर में चेचक का उन्मूलन हो गया, जबकि मध्य और पश्चिम अफ्रीका केदेशों में मंकीपॉक्स का प्रकोप जारी है, और कभी-कभी यह अन्य जगहों पर भी दिखाई देता है।

चर्चा का कारण:

यूनाइटेड किंगडम के स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंकीपॉक्स के एक मामले की पुष्टि की है। यूके में मंकीपॉक्सवायरस की पहली घटना 2018 में बार दर्ज की गई थी, और तब से स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा केवल कुछमामलों की ही पुष्टि की गई है।

स्टेट ऑफ वर्ल्ड्स बर्ड्स रिपोर्ट

हाल ही में 'स्टेट ऑफ वर्ल्ड्स बर्ड्स' (State of World's Birds) नामक एक रिपोर्ट जारी की गयी है।

- यह एक विशेषज्ञ समीक्षित (Peer-Reviewed) पत्रिका है।
- यह 'बर्डलाइफ इंटरनेशनल' का प्रमुख वैज्ञानिक अध्ययन प्रकाशन है, जिसमे हमारे पारिस्थितिक तंत्रकी स्थिति का आकलन करने के लिए पक्षियों का उपयोग किया जाता है।

2022 की रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

- दुनिया भर में पक्षियों की लगभग ज्ञात 48% प्रजातियों की आबादी कम हो चुकी है, उनकी संख्या मेंगिरावट का होने का संदेह है।
- भारत में, लगभग 80% प्रजातियों की संख्या में कमी हो रही हैं, और लगभग 50% प्रजातियों कीसंख्या तेजी से घटती जा रही हैं।
- उत्तर अमेरिकी प्रजातियों में से लगभग 57% में गिरावट की प्रवृत्ति दर्ज की जा रही है, 1970 के बादसे लगभग 3 बिलियन पक्षियों का शुद्ध नुकसान हुआ है।
- यूरोपीय संघ के देशों में भी समान स्थिति है, इन देशों की 378 प्रजातियों में, 1980 और 2017 के बीच पक्षी प्रजनन में 17-19% की कमी की प्रवृत्ति का संकेत मिलता है।
- अध्ययन में पाया गया है, कि उष्ण कटिबंध से पक्षियों की प्रजातियों और बहुतायत के आंकड़े दुर्लभ हैं, लेकिन भारत जैसे कई देशों में, नागरिक विज्ञान संचालित डेटा उपलब्ध था।
- पक्षी प्रजातियों की आबादी गिरावट के पीछे कारण:रिपोर्ट में, पक्षियों की 10,994 मान्यता प्राप्त मौजूदा प्रजातियों में से लगभग आधे के लिए खतरे केलिए, प्राकृतिक दुनिया और जलवायु परिवर्तन पर 'मानव पदचिह्न' के विस्तार को जिम्मेदार ठहरायागया है।
- प्राकृतिक आवासों का ह्रास तथा नष्ट होने, और साथ ही साथ कई प्रजातियों का प्रत्यक्ष अतिदोहन, पक्षी प्रजाति जैव विविधता के लिए प्रमुख खतरे हैं।'बर्डलाइफ इंटरनेशनल' गैर-सरकारी संगठनों की एक वैश्विक साझेदारी है। यह पक्षियों और उनके आवासों केसंरक्षण का प्रयास करती है।

मुख्यालय: यूनाइटेड किंगडम कैम्ब्रिज, यूनाइटेड किंगडम।

भारत की सकल प्रजनन दर(India's total fertility rate)

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के पांचवें दौर की रिपोर्ट के अनुसार:

- सकल प्रजनन दर (TFR), प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या, 2015-16 में किए गए चौथे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-4) और पांचवे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) केबीच राष्ट्रीय स्तर पर 2.2 से 2.0 तक कम हुई है।
- यह जनसंख्या नियंत्रण उपायों की महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।
- भारत में केवल पांच राज्य हैं, जो प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर से 2.1. ऊपर हैं इनमें बिहार (2.98), मेघालय (2.91), उत्तर प्रदेश (2.35), झारखंड (2.26) और मणिपुर (2.17) शामिल हैं।
- भारत में संस्थागत जन्म 79 प्रतिशत से बढ़कर 89 प्रतिशत हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगभग 87 प्रतिशत जन्म संस्थानों में होता है और शहरी क्षेत्रों में यह 94 प्रतिशत है।

सकल प्रजनन दर:

सकल प्रजनन दर (Total Fertility Rate – TFR) को प्रति महिला बच्चों की औसत संख्या के रूप में मापा जाता है।

'राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण' (NFHS) के बारे में:

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (National Family Health Survey – NFHS) बड़े पैमाने पर किया जाने वाला एक बहु-चरणीय सर्वेक्षण है, जिसे पूरे भारत में परिवारों के प्रतिनिधि प्रतिदर्शों (नमूनों) में आयोजित किया जाता है।

- सभी 'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण', भारत सरकार के 'स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय' नेतृत्व में किए जाते है, और इसमें, मुंबई स्थित 'अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान' (International Institute for Population Sciences- IIPS) नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- NFHS-5 में विशेष ध्यान वाले कुछ नए क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जैसे मृत्यु पंजीकरण, पूर्व-विद्यालय शिक्षा, बाल टीकाकरण के विस्तारित क्षेत्र, बच्चों के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों के घटक, मासिकधर्म स्वच्छता, शराब एवं तंबाकू के उपयोग की आवृत्ति, गैर-संक्रामक रोगों (एनसीडी) के अतिरिक्तघटक रोग, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी लोगों में उच्च रक्तचाप और मधुमेह को मापने केलिए विस्तारित आयु सीमा। इन सभी से, मौजूदा कार्यक्रमों को मजबूत करने तथा नीतिगत हस्तक्षेप केलिए नई रणनीति विकसित करने के लिए आवश्यक विवरण प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) के प्रत्येक क्रमिक चरण के दो विशिष्ट लक्ष्य होते हैं:

1. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा अन्य एजेंसियों द्वारा नीति निर्माण व कार्यक्रम के अन्यउद्देश्यों की पूर्ति हेतु स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर अपेक्षित आवश्यक विवरण प्रदान करना।
2. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी प्रदान करना।

मार्तंड सूर्य मंदिर

'भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण' (ASI) द्वारा संरक्षित अनंतनाग में स्थित 'मार्तंड सूर्य मंदिर' (Martand SunTemple) के परिसर में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के एक पूजा समारोह में भाग लेने परविवाद छिड़ गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण' द्वारा इसे नियमों का उल्लंघन बताया गया है।

एएसआई का तर्क है कि 'प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम (एएसआई) के नियमों' के अनुसार, ऐसे किसीकार्यक्रम के लिए 'पूर्व अनुमति' मांगी जानी चाहिए थी।

मंदिर के बारे में:

- आठवीं शताब्दी का 'मार्तंड मंदिर' भारत के सबसे पुराने सूर्य मंदिरों में से एक है और अमूल्य प्राचीनआध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।
- 8 वीं शताब्दी ईस्वी में ललितादित्य मुक्तापीड द्वारा निर्मित 'मार्तंड सूर्य मंदिर' कश्मीरी वास्तुकला काएक उत्कृष्ट नमूना है और कश्मीरी पंडितों के लिए सबसे पवित्र मंदिरों में से एक है।
- 14वीं शताब्दी ईस्वी में 'सिकंदर शाह मिरी' द्वारा इस मंदिर को नष्ट कर दिया गया था और अबभारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा खंडहरों को "राष्ट्रीय महत्व के स्थल" के रूप में चिह्नित किया गया है।

एना जार्विस(Anna Jarvis)

एना जार्विस (1 मई, 1864 – 24 नवंबर, 1948) एक अमेरिकी कार्यकर्ता थीं। इन्होने वर्ष 1908 में "सभीमाताओं" और 'माँ की भूमिका निभाने वाली' महिलाओं को सम्मानित करने के लिए 'मदर्स डे' की स्थापना कीथी।

- 'मदर्स डे' हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, किंतु इसकी तारीख हर सालबदलती रहती है।
- एना जार्विस के अथक प्रयासों के कारण, अधिकांश अमेरिकी राज्यों ने 1911 तक 'मातृ दिवस'/ 'मदर्सडे' का सम्मान करने हेतु इसे 'क्षेत्रीय अवकाश' के रूप में घोषित करना शुरू कर दिया था। जार्विस कागृह राज्य 'वेस्ट वर्जीनिया' वर्ष 1910 में 'मदर्स डे' घोषित करने वाला पहला राज्य था।

एकीकृत युद्ध समूह

(Integrated Battle Groups – IBG)

भारतीय सेना द्वारा युद्ध में बेहतर प्रदर्शन और दुश्मन पर त्वरित आक्रमण करने की अपनी क्षमता में वृद्धि करनेहेतु 'चुस्त एकीकृत युद्ध समूहों' (Integrated Battle Groups – IBG) में परिवर्तित करने के लिए पश्चिमीमोर्चे पर एक 'होल्डिंग फॉर्मेशन' और उत्तरी सीमाओं पर एक 'स्ट्राइक फॉर्मेशन' को चिह्नित किया गया है।

'एकीकृत युद्ध समूहों' के बारे में:

एकीकृत युद्ध समूह (IBG) का आकार एक 'ब्रिगेड' के आकार के समान फुर्तीले, दक्ष और आत्मनिर्भर युद्ध-विन्यास (Combat Formations) होते हैं, जो युद्ध की स्थिति में शत्रु के विरुद्ध त्वरित आक्रमण करने में सक्षमहै।

- प्रत्येक आईबीजी को खतरे, इलाके और कार्य (Threat, Terrain and Task – Three Ts) केआधार पर तैयार किया जाएगा और संसाधनों को 'थ्री टी' (Three Ts) के आधार पर आवंटित कियाजाएगा।
- आईबीजी को हल्का रखे जाने की आवश्यकता है ताकि इन पर रसद का भार कम रहे और वे इलाके केआधार पर 12-48 घंटे के भीतर तैनात किए जा सकें।

संरचना:

- सेना में 'कमांड' (Command) एक परिभाषित भू-भाग में विस्तारित सबसे बड़ा 'स्थैतिक विन्यास' (Static Formation) होता है, तथा 'कोर' (Corps) सबसे बड़ा 'गतिशील विन्यास' (MobileFormation) होता है।
- आमतौर पर, प्रत्येक कोर में लगभग तीन डिवीजन होते हैं।
- सेना का विचार इन 'कोर' को 'एकीकृत युद्ध समूहों' में पुनर्गठित करना है जो ब्रिगेड के आकार कीइकाइयाँ होंगी, लेकिन इन IBGs में पैदल सेना, बख्तरबंद, तोपखाने और वायु रक्षा जैसे सभीआवश्यक तत्व एक साथ अंतर्निहित होंगे।

राखीगढ़ी:

वर्ष 1997 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के पूर्व निदेशक अमरेंद्र नाथ द्वारा इस पुरातात्विक स्थलपर खुदाई किए जाने की बाद से, हरियाणा में 'राखीगढ़ी' (Rakhigarhi), एक पुरातात्विक हॉटस्पॉट बन गयीहै।

- इस 5,000 साल पुराने पुरातत्व स्थल में, हड़प्पा युग से वर्तमान समय तक निरंतरता को प्रदर्शितकरने के चिह्न मिलते है। इस गांव में दो सौ साल पुरानी हवेलियां अभी भी मौजूद हैं।
- यह स्थल, मौसमी घग्गर नदी से लगभग 27 किमी दूर- सरस्वती नदी के मैदान में स्थित है।
- 'राखीगढ़ी पुरातत्व स्थल' केंद्रीय बजट 2020-21 में केंद्र सरकार द्वारा घोषित "पांच प्रतिष्ठित स्थलों"में से एक है।

चर्चा का कारण: हाल ही में, राखीगढ़ी में मिले दो मानव कंकालों से एकत्र किए गए डीएनए नमूने वैज्ञानिक जांच के लिए भेजेगए हैं। इसके परिणाम हजारों साल पहले राखीगढ़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के वंश और भोजन की आदतों केबारे में बता सकते हैं।

शिगेला बैक्टीरिया

हाल ही में, केरल में 'खाद्य विषाक्तता' / फूड पॉइज़निंग की घटना से एक 16 वर्षीय लड़की की जान चली गई।इस लडकी ने एक रेस्तरां में चिकन शावरमा (chicken shawarma) खाया था, जिसमे 'शिगेला कीटाणु'(Shigella germs) पाए गए थे।

शिगेला (Shigella) के बारे में:

'शिगेला', बैक्टीरिया के एंटरोबैक्टर परिवार (Enterobacter Family) द्वारा निर्मित एक 'जीवाणु संक्रमण' हैऔर दुनिया भर में 'अतिसार' (Diarrhoea) के सबसे आम कारणों में से एक है।

- इसके कारण 'शिगेलोसिस संक्रमण' (Shigellosis infection) होता है।
- शिगेला के संक्रमण से अधिकांश रोगियों में दस्त (कभी-कभी खूनी), बुखार और पेट में ऐंठन होतीहै।
- रोगी के अपशिष्ट के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से यह रोग आसानी से फैलता है।
- इसके उपचार के लिए, बीमार या अंतर्निहित समस्याओं वाले लोगों को एंटीबायोटिक्स प्रदान की जानी चाहिए।

अमलथिया (Amalthea)

'अमलथिया' चंद्रमा (Amalthea Moon) बृहस्पति ग्रह के 53 उपग्रहों में से एक है; यह चार गैलीलियनचंद्रमाओं के बाद पहली बार खोजा गया था, और यह आकार में कुल मिलाकर पांचवां सबसे बड़ा चंद्रमा है।

- बृहस्पति से निकटता के संदर्भ में, अमलथिया बृहस्पति ग्रह का तीसरा चंद्रमा है -और इसे बृहस्पति का एकचक्कर लगाने में केवल 12 घंटे का समय लगता है।
- अमलथिया, बृहस्पति के चारो ओर फैले महीन वलयों / गॉसामर रिंग्स (Gossamer Rings of Jupiter)में से एक – अमलथिया गॉसामर रिंग- भी बनाता है। यह बृहस्पति की धुंधली अंतरतम गॉसमर रिंग है।
- अब तक केवल दो मिशन – वॉइअजर(Voyager) और गैलीलियो (Galileo) ही अमलथिया के समीप सेगुजरे हैं। वॉइअजर / वायेजर 1 और वायेजर 2 दोनों अंतरिक्ष यानों ने 1979 में अपनी उड़ान के दौरान'जोवियन' चंद्रमा की तस्वीरें खींची थीं।

चर्चा का कारण:

हाल के निष्कर्षों के अनुसार, 'अमलथिया'चर्चा का कारण:हाल के निष्कर्षों के अनुसार, 'अमलथिया' सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊष्मा की तुलना में अधिकऊष्मा काविकीर्णन करती प्रतीत।

ब्रह्मोस मिसाइल

हाल ही में, ब्रह्मोस मिसाइल के विस्तारित दूरी के संस्करण को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

- इसे पहली बार भारतीय वायु सेना के Su-30 MKI लड़ाकू विमान से लॉन्च किया गया था।
- मिसाइल के उन्नत संस्करण की मारक क्षमता को, 290 किमी से बढाकर लगभग 350 किमी तक कर दियागया है।

ब्रह्मोस के बारे में:

भारत-रूस के संयुक्त उद्यम 'ब्रह्मोस एयरोस्पेस' द्वारा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन किया जाता है,इन मिसाइलों को पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या भूमि प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

- इसमें दो चरणों वाले इंजन का इस्तेमाल किया गया है जो पहले चरण में ठोस प्रणोदक इंजन और दूसरेचरण में तरल रैमजेट से बना है।
- यह "फायर एंड फॉरगेट्स" सिद्धांत पर काम करता है यानी लॉन्च के बाद इसे और मार्गदर्शन कीआवश्यकता नहीं है।

खालिस्तान आंदोलन

खालिस्तान आंदोलन (Khalistan Movement), एक अलग सिख राज्य बनाने के लिए किया जा रहाआंदोलन है और इसकी उत्पत्ति 'पंजाबी सूबा' आंदोलन से हुई है।

- सबसे पहले अकाली दल – एक सिख बहुल राजनीतिक दल – द्वारा एक अलग सिख सूबा या प्रांतबनाने की मांग की गयी थी।
- भाषाई समूहों द्वारा अलग राज्यों की मांग का आकलन करने के लिए गठित 'राज्य पुनर्गठन आयोग' नेअपनी सिफारिशों में 'अकाली दल' की इस मांग को खारिज कर दिया था।
- बाद में, तत्कालीन पंजाब राज्य को पंजाबी-बहुल पंजाब, हिंदी-बहुल हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेशचंडीगढ़ में विभाजित किया गया था। राज्य के कुछ पहाड़ी क्षेत्रों को हिमाचल प्रदेश में मिला दियागया।

चर्चा का कारण:

हाल ही में, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के मुख्य प्रवेश द्वार और दीवारों पर खालिस्तान के झंडे बंधे पाए गए। विधानसभा परिसर की दीवारों पर नारे भी लिखे गए। हालाँकि प्रशासन ने इन झंडों को हटा दिया है।

डल झील का कायाकल्प

बढ़ते प्रदूषण से निपटने और डल झील (Dal Lake) को फिर से जीवंत करने के लिए, उपराज्यपाल मनोजसिन्हा द्वारा 'अठवास' (Athwas) नामक एक अनूठी पहल शुरू की गई है।

- 'अठवास', झील के कायाकल्प के लिए नागरिकों और अधिकारियों के बीच एक अनूठी साझेदारी है। इसमें सामुदायिक भागीदारी शामिल है।
- इस पहल के तहत, नागरिकों के सहयोग से 'जलीय घास को बाहर निकलना'/ 'डी-वीडिंग' (de- weeding) और 'पंक / कीचड को बाहर निकलना', अर्थात 'पंकोत्सरण' (Dredging) हेतु कार्य किएजाएंगे।

डल झील के बारे में:

- डल (Dal) को जम्मू और कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में जाना जाता था।
- इसे "कश्मीर के ताज में जड़ा रत्न" या "श्रीनगर का आभूषण" नाम दिया गया है।
- यह झील मत्स्यन और जलीय पौधों की फसल के वाणिज्यिक संचालन के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्रोतहै।
- डल झील, जबरवन पर्वत घाटी (Zabarwan mountain valley) में शंकराचार्य पहाड़ियों कीतलहटी में स्थित है, ये पहाड़ियां इस झील को तीन तरफ से घेरे हुए है।
- झील में हजरतबल, बोड दाल, गगरीबल और नागिन- चार मुख्य परस्पर जुड़े हुए बेसिन हैं।यहां तैरते हुए बगीचे, जिन्हें कश्मीरी में "राड" (Raad) के नाम से जाना जाता है, जुलाई और अगस्त के दौरान कमल के फूलों के साथ खिलते हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान और गुजरात की सरकारों को 20 जुलाई, 2022 से पहले बिजलीलाइनों पर 'बर्ड-डायवर्टर' की स्थापना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

इस कदम का उद्देश्य राजस्थान के राज्य पक्षी 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (Great Indian Bustard – GIB), औरक्षेत्र में पाए जाने वाले 'खरमोर' (Lesser Florican) पक्षी प्रजातियों की रक्षा करना है।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स (GIB):

- IUCN स्थिति: गंभीर रूप से संकटग्रस्त।

- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 और CMS कन्वेंशन तथा CITES की परिशिष्ट, में सूचीबद्ध।
- पर्यावरण और वन मंत्रालय के वन्यजीव आवास के एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत पुन:प्राप्ति कार्यक्रम केलिए चिह्नित।
- प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड – राजस्थान: मौजूदा संरक्षित क्षेत्रों में बस्टर्ड प्रजनन स्थलों की पहचान करनाऔर बाड़ लगाना और साथ ही संरक्षित क्षेत्रों के बाहर के क्षेत्रों में सुरक्षित प्रजनन बाड़ा प्रदान करना।
- संरक्षित क्षेत्र: मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान अभयारण्य – राजस्थान, रोलपाडु वन्यजीव अभयारण्य – आंध्र प्रदेश।

भारत में वास-स्थल:

राजस्थान में केवल दो जिले – जैसलमेर और बाड़मेर के वन्य क्षेत्रों में प्रजनन करने वाली ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्सकी आबादी पायी जाती है।

भोजशाला

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य के धार जिले में स्थित 'भोजशाला' (Bhojshala) स्मारक पर विवाद सेसंबंधित एक याचिका पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), केंद्र और राज्य सरकार को नोटिस जारीकिया है।

- भोजशाला, एएसआई द्वारा संरक्षित 11वीं सदी का स्मारक है, जिसके बारे में हिंदुओं का दावा है कि यहवागदेवी (देवी सरस्वती) का मंदिर है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमल मौला मस्जिद के रूप में मानता है।
- भोजशाला का नाम, मध्य भारत के परमार वंश के प्रसिद्ध राजा भोज से लिया गया है, जो शिक्षा और कलाके संरक्षक थे और जिनके लिए काव्य, योग और वास्तुकला पर प्रमुख संस्कृत कार्यों का श्रेय दिया जाता है।
- 7 अप्रैल 2003 को एएसआई द्वारा की गई व्यवस्था के अनुसार, हिंदू प्रत्येक मंगलवार को परिसर में पूजाकरते हैं, जबकि मुसलमान शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं।

टमाटर फ्लू

हाल ही में, केरल में "टमाटर फ्लू" (Tomato flu) संक्रमण के मामलों का पता लगा है।

- इस फ्लू का नाम "टमाटर फ्लू", संक्रमण के दौरान पीड़ित व्यक्ति के शरीर पर 'लाल रंग के छाले' पड़ जानेके कारण पड़ा है।
- यह फ्लू, पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।
- इसके लक्षणों में शरीर पर चकत्ते पड़ना, त्वचा में जलन और पानी की कमी आदि शामिल हैं।
- यह फ्लू 'स्व-सीमित' है और इसके लिए कोई विशिष्ट दवा नहीं है। इसका मतलब यह है कि यदि उपयुक्त देखभाल दी जाती है तो समय के साथ इस संक्रमण के लक्षण अपने आप ठीक हो जाएंगे।
- फ्लू के अन्य मामलों की तरह, टमाटर फ्लू भी संक्रामक है। "अगर कोई इस फ्लू से संक्रमित होता है, तो उसेअलग-थलग रखने की जरूरत है क्योंकि यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैल सकता है।

एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज

फिलीपींस के मनीला में आयोजित कार्यकारी बोर्ड और महासभा की बैठक में 2022-2024 के लिए भारत कोसर्वसम्मति से 'एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज' (AAEA) के नए अध्यक्ष के रूप में चुना गयाहै।

- वर्तमान में 'चुनाव आयोग', मनीला 'एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज' के अध्यक्ष है।

- कार्यकारी बोर्ड के नए सदस्यों में अब रूस, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मालदीव, ताइवान और फिलीपींसशामिल हैं।

'एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज' (AAEA) के बारे में:

एशियाई चुनाव प्राधिकरण संघ (Association of Asian Election Authorities – AAEA) की स्थापनावर्ष 1998 में की गयी थी।

- वर्तमान में, 20 एशियाई चुनाव प्रबंधक निकाय, AAEA के सदस्य हैं।
- भारत निर्वाचन आयोग (ECI), AAEA के EMB का एक संस्थापक सदस्य है और यह 2011-13 के दौरानAAEA के कार्यकारी बोर्ड में उपाध्यक्ष और 2014-16 के दौरान अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुका है।
- 'एसोसिएशन ऑफ एशियन इलेक्शन अथॉरिटीज' का मिशन, सुशासन और लोकतंत्र में सहयोग करने केउद्देश्य से खुले और पारदर्शी चुनावों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा और कार्रवाई करने के लिए चुनावअधिकारियों के बीच अनुभव और सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने के लिए एशियाई क्षेत्र में एक गैर-पक्षपातपूर्ण मंच प्रदान करना है।

एआईएम प्राइम प्लेबुक

हाल ही में, 'नीति आयोग' द्वारा 'एआईएम प्राइम प्लेबुक' (Program for Researchers in Innovation,Market Readiness, and Entrepreneurship – AIM-PRIME) प्लेबुक लॉन्च की गई।

- एआईएम-प्राइम (नवोन्मेष, बाजार के लिए तैयारी और उद्यमशीलता में शोध के लिए कार्यक्रम) कार्यक्रम काउद्देश्य, शुरुआती स्तर के वैज्ञानिक आधार वाले, तकनीकी विचारों को प्रोत्साहित करना था। यह प्रोत्साहन12 महीने तक एक मिश्रित पाठ्यक्रम से प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश देकर दिया जाना था।
- फोकस क्षेत्र: विज्ञान आधारित, ज्ञान-गहन, गहन प्रौद्योगिकी उद्यमिता।
- कार्यान्वयन एजेंसी: अटल नवाचार मिशन और नीति आयोग द्वारा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन केसहयोग से एआईएम -प्राइम कार्यक्रम को शुरू किया गया है।

भारत टैप पहल

हाल ही में, आवास और शहरी कार्य मंत्री द्वारा 'प्लम्बेक्स इंडिया' प्रदर्शनी में भारत टैप पहल का शुभारंभकिया गया। यह प्रदर्शनी नल से संबंधी उपकरणों, पानी और स्वच्छता उद्योग से संबंधित उत्पादों और सेवाओंके प्रदर्शन के लिए आयोजित की गई है।

- भारत टैप, 'लो फ्लो टैप' और 'फिक्स्चर' का उपयोग करने की एक अवधारणा है।
- भारत टैप पहल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर कम प्रवाह वाले सेनेटरी-वेयर उपलब्ध कराना और इस प्रकार सेस्रोत पर पानी की खपत को काफी कम करना है।
- इससे लगभग 40% पानी की बचत होने का अनुमान है।
- भारत टैप पहल के परिणामस्वरूप पानी की बचत होगी और कम पानी के कारण ऊर्जा की बचत होगी।

पवई साइक्लिंग ट्रैक परियोजना

'मुंबई नगर निकाय' को झटका देते हुए, बॉम्बे हाईकोर्ट ने 'पवई झील' (Powai Lake) के आसपास साइकिलऔर जॉगिंग ट्रैक के निर्माण को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं पर सुनवाई किए जाने की अनुमति दे दीहै और इस साइकिल ट्रैक को अवैध बताया है।

'पवई झील' के बारे में:

एक आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता प्राप्त, मुंबई के पूर्वी उपनगरों में विस्तारित मानव निर्मित 'पवई झील' कानिर्माण 1891 में किया गया था।

- चूंकि इसका पानी पीने के लिए अनुपयुक्त घोषित किया जा चुका है, किंतु इसका उपयोग औद्योगिकउद्देश्यों के लिए किया जा रहा है।
- 2021 में, बीएमसी ने शहर भर में साइकिल ट्रैक रखने की अपनी योजना के एक हिस्से के रूप में 'पवईझील' के चारों ओर 10 किलोमीटर के साइकलिंग ट्रैक का निर्माण करने का प्रस्ताव रखा था।

परियोजना का विरोध:

- साइकलिंग ट्रैक का निर्माण, आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियमों का उल्लंघन होगा।
- झील में पाए जाने वाले 'भारतीय दलदली मगरमच्छों' के आवास पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
- इस परियोजना से झील के आसपास विकास के लिए जगह खाली की जाएगी।

पैंटानल आर्द्रभूमि

दक्षिण अमेरिका में स्थित विश्व की सबसे बड़ी आर्द्रभूमि, जिसे पैंटानल (Pantanal) के नाम से जाना जाता है,नष्ट होने की कगार पर पहुँच गयी है।

- पैंटानल आर्द्रभूमि (Pantanal wetland) की स्थिति, स्थानीय और छोटे-छोटे प्रतीत होने वाले फैसलों की वजह से हुई है। ये फैसले, पृथ्वी के सबसे जैव विविधता वाले पारिस्थितिक तंत्रों में से एक 'पैंटानल'पर अपने संचयी प्रभाव के लिए जिम्मेदार हैं।
- 'पैंटानल' विश्व का सबसे बड़ा बाढ़ग्रस्त घास का मैदान भी है।
- इसके पराग्वे नदी और सहायक नदियों के माध्यम से जलापूर्ति होती है।
- इसे ब्राजील के संविधान द्वारा एक 'राष्ट्रीय विरासत' और एक 'प्रतिबंधित-उपयोग क्षेत्र' नामित कियागया है।

प्राप्ति पोर्टल

- 'प्राप्ति' (PRAAPTI) का पूरा नाम 'पेमेंट रेटीफीकेशन एंड एनालिसिस इन पॉवर प्रोक्योरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपेरेंसी इन इनवॉइसिंग ऑफ जनरेटर्स' (Payment Ratification And Analysis inPower procurement for bringing Transparency in Invoicing of generators) है।
- PRAAPTI पोर्टल को मई 2018 में, बिजली उत्पादकों और डिस्कॉम के बीच बिजली खरीद लेनदेन मेंपारदर्शिता लाने के लिए लॉन्च किया गया था।

चर्चा का कारण:

- पोर्टल के अनुसार, बिजली वितरण कंपनियों पर बिजली उत्पादकों का कुल बकाया मई 2022 मेंसालाना आधार पर 4.04 प्रतिशत बढ़कर 1,21,765 करोड़ रुपये (1.21 ट्रिलियन रुपये) हो गया है।
- मई 2021 में DISCOMs पर बिजली उत्पादन फर्मों का कुल 1,17,026 करोड़ रुपये बकाया था।

ऑपरेशन दुधी(Operation Dudhi)

जम्मू-कश्मीर में 30 साल पहले 'ऑपरेशन दुधी' (Operation Dudhi) में 72 विद्रोहियों को मार गिराने और 13 अन्य को जिंदा पकड़ने वाले 7वीं बटालियन असम राइफल्स के आठ जीवित कर्मियों को सोमवार कोशिलांग में अर्धसैनिक बल द्वारा हाल ही में सम्मानित किया गया।

'ऑपरेशन दुधी' के बारे में:

5 मई, 1991 को नायब सूबेदार पदम बहादुर छेत्री की कमान के तहत में असम राइफल्स की 7 वीं बटालियनके 15 सैनिकों की एक टीम ने जम्मू-कश्मीर में 14,000 फीट की ऊंचाई पर 72 पाकिस्तान-प्रशिक्षितचरमपंथियों को मार गिराया था और 13 अन्य को पकड़ लिया था|

उत्कर्ष समारोह

हाल ही में, गुजरात के 'भरूच' में उत्कर्ष समारोह आयोजित किया गया था।यह कार्यक्रम जिले में राज्य सरकार की चार प्रमुख योजनाओं के शत–प्रतिशत कार्यान्वयन करने उत्सव है, जोजरूरतमंद लोगों को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा।

चार योजनाएं निम्नलिखित हैं:

1. इंदिरा गांधी वृद्ध सहाय योजना।
2. गंगा स्वरूप आर्थिक सहायता योजना।
3. राष्ट्रीय कुटुम्ब सहाय योजना।
4. निराधार वृद्ध आर्थिक सहायता योजना।

मैकॉलिन कन्वेंशन

'काउंसिल ऑफ यूरोप कन्वेंशन ऑन द मैनिपुलेशन ऑफ स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन को 'मैकॉलिन कन्वेंशन'(Macolin Convention) के नाम से जाना जाता है।

- इंटरपोल की मैच फिक्सिंग टास्क फोर्स (IMFTF) की 12 वीं बैठक, प्रतियोगिताओं में हेरफेर को रोकने केलिए सामंजस्यपूर्ण वैश्विक प्रयासों के आह्वान के साथ संपन्न हुई। इस बैठक में 'केंद्रीय जांच ब्यूरो' (CBI) नेभी भाग लिया था।
- बैठक में सदस्यों ने खुफिया जानकारी साझा करने में सुधार के लिए विभिन्न तंत्रों पर विचार-विमर्श किया।
- मैकॉलिन कन्वेंशन एक बहुपक्षीय संधि है जिसका उद्देश्य मैच फिक्सिंग की जाँच करना है। यह कन्वेंशन 1सितंबर, 2019 को लागू हुआ था।

पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize) रॉयटर्स समाचार एजेंसी के चार भारतीय फोटोग्राफरों की एक टीम – शहीद फोटो जर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी,अदनान आबिदी, सना इरशाद मट्टू और अमित दवे – ने भारत में कोविड -19 संकट के कवरेज के लिए 'फीचरफोटोग्राफी' श्रेणी में 2022 का 'पुलित्जर पुरस्कार' (Pulitzer Prize) जीता है।

'पुलित्जर पुरस्कार' के बारे में:

पुलित्जर पुरस्कार, पत्रकारिता क्षेत्र में दिया जाने वाला संयुक्त राज्य अमेरिका का एक प्रमुख पुरस्कार है जोसमाचार पत्रों की पत्रकारिता, साहित्य एवं संगीत रचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को प्रदानकिया जाता है।

- यह पुरुस्कार हंगरी मूल के अमेरिकी पत्रकार एवं प्रकाशक 'जोसेफ पुलित्जर' (Joseph Pulitzer) के नाम पर स्थापित किया गया है। 'जोसेफ पुलित्जर' ने अपनी वसीयत में, एक पत्रकारिता स्कूल शुरूकरने और पुरस्कार स्थापित करने के लिए कोलंबिया विश्वविद्यालय को धनराशि सौपी थी।
- इस पुरुस्कार की स्थापना वर्ष 1917 में की गयी थी और यह कोलंबिया विश्वविद्यालय और पुलित्जर पुरस्कार बोर्ड द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- प्रत्येक विजेता को एक प्रमाणपत्र और US$15,000 नकद पुरस्कार प्राप्त होता है। सार्वजनिक सेवा श्रेणी में विजेता को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाता है।गत वर्षों में भारतीय/भारतीय मूल के पुलित्जर पुरुस्कार विजेता:

1. गोबिंद बिहारी: वर्ष 1937 में पत्रकारिता के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाले भारत के पहलेव्यक्ति।
2. झुम्पा लाहिड़ी: वर्ष 2000
3. गीता आनंद: वर्ष 2003
4. सिद्धार्थ मुखर्जी: वर्ष 2011
5. संघमित्रा कलिता: वर्ष 2016

INSACOG

'इंडियन SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (Indian SARS-CoV-2 Consortium on Genomics– INSACOG) को संयुक्त रूप से केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, और जैव प्रौद्योगिकी विभाग(DBT) द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) और 'भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद' (ICMR) के सहयोग से शुरू किया गया है।

- 'यह, SARS-CoV-2 में जीनोमिक विविधताओं की निगरानी के लिए 28 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का एकसमूह है।
- यह पूरे देश में SARS-CoV-2 वायरस की संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण करता है, जिससे वायरस के प्रसार औरविकास को समझने में सहायता मिलती है।
- INSACOG का उद्देश्य रोग की गतिशीलता और गंभीरता को समझने के लिए नैदानिक नमूनों कीअनुक्रमण पर ध्यान केंद्रित करना है।

'पीएम-वाणी' योजना आधारित "रेलवे स्टेशनों पर वाईफाई देने" की शुरुआत

(PM-WANI based "access to its WiFi across railway stations)

इसके बारे में:- वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (Public Wi-Fi Access Network Interface – PM-WANI)

यह 'प्रधान मंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस' (Public Wi-Fi Access Network Interface – PM-WANI) योजना पर आधारित 22 राज्यों में 2,384 वाईफाई हॉटस्पॉट वाले 100 रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिकवाईफाई सेवाओं तक पहुंच उपलब्ध कराए जाने की पहल है।

शुरुआत:इस पहल की शुरुआत, एक मिनी रत्न (श्रेणी-I) के सार्वजनिक उद्यम 'रेलटेल' (RailTel) द्वारा की गयी है।रेलटेल, देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, और इसके पास रेलवे ट्रैक के साथलगे विशिष्ट 'राइट ऑफ वे' (Right of Way – ROW) पर विछाया गया अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबरनेटवर्क है। रेलटेल, भारतीय रेलवे के स्वामित्व में है।

कार्यविधि:

- इस वाईफाई नेटवर्क को एक्सेस करने के लिए एंड्रॉयड यूजर्स 'गूगल प्ले स्टोर' पर उपलब्ध मोबाइलएप 'वाई-डॉट' को डाउनलोड कर सकते हैं। इस ऐप को सी-डॉट के निकट समन्वय में विकसित कियागया है।

- PM-WANI दूरसंचार विभाग (DoT) का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है जो उपयोग में आसानी केलिए सभी वाई-फाई नेटवर्क को आपस में जोड़ता है और जनता के उपयोग हेतु व्यापक ब्रॉडबैंड उपलब्ध करता है।

चर्चित स्थल –ओडेसा

हाल ही में, रूसी सेना द्वारा यूक्रेन में आपूर्ति लाइनों और हथियारों के लदान को बाधित करने के एक स्पष्टप्रयास के तहत 'ओडेसा' (Odessa) शहर के महत्वपूर्ण बंदरगाह पर हमला किया गया।

- 'ओडेसा', यूक्रेन का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर और एक प्रमुख बंदरगाह तथा परिवहन केंद्र है।
- यह शहर, देश के दक्षिण-पश्चिम में 'काला सागर' के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।
- ओडेसा को कभी-कभी "पर्ल बाय द सी", "दक्षिणी राजधानी", "ओडेसा-ममा" और "द ह्यूमर कैपिटल" केसाथ-साथ "दक्षिणी पलमायरा" भी कहा जाता है।
- ओडेसा, एक उष्ण पानी का बंदरगाह है।

भारत का पहला 'धूम्र-मुक्त राज्य'

हिमाचल प्रदेश, जनवरी 2022 में, भारत में पहला 'धूम्र-मुक्त राज्य' (Smoke-Free State) बन गया है।

- हिमाचल प्रदेश, ने यह उपलब्धि, केंद्र की 'उज्ज्वला योजना' और 'राज्य सरकार की हिमाचल गृहिणी सुविधायोजना' जैसी कल्याणकारी योजनाओं के बल पर हासिल की है।
- यह देश का 100 प्रतिशत एलपीजी-सक्षम राज्य भी है। इसका मतलब है कि हिमाचल में 100% घरों मेंएलपीजी कनेक्शन हैं।

चर्चा का कारण:

एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में, मोदी सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजना 'प्रधान मंत्रीउज्ज्वला योजना' के 90 लाख लाभार्थियों ने अपने सिलेंडरों को फिर से नहीं भरवाया था। इसी रिपोर्ट मेंहिमाचल प्रदेश को, भारत में पहला 'धूम्र-मुक्त राज्य'घोषित किया गया।

लुटियंस दिल्ली (Lutyens Delhi) कुछ राजनीतिक नेताओं ने लुटियंस दिल्ली (Lutyens Delhi) की सड़कों का नाम परिवर्तित कर देश के बहादुरसपूतों के नाम पर रखे जाने की मांग की है।

- दिल्ली में इन सड़कों के वर्तमान में प्रचलित नाम: अकबर रोड, हुमायूं रोड, शाहजहां रोड।
- इन नेताओं ने, इन सड़कों के नाम गुरु गोबिंद सिंह, महाराणा प्रताप और देश के पहले चीफ ऑफडिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखे जाने का सुझाव दिया है।
- दिल्ली के वास्तुकार 'सर एडविन लुटियंस' (1869-1944) ने राष्ट्रपति भवन एस्टेट, (वायसराय हाउसएस्टेट) में 4 बंगले डिजाइन किए थे।

चक्रवात करीम –

चक्रवात करीम (Cyclone Karim), वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में सक्रिय 'चक्रवात असानी' का दक्षिणीगोलार्ध में सक्रिय एक जुड़वां चक्रवात है।

- दोनों चक्रवातों की उत्पत्ति 'हिंद महासागर क्षेत्र' में हुई थी।
- दोनों चक्रवात एक ही देशांतर में उत्पन्न हुए थे और अब एक दूसरे से अलग रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

- चक्रवात करीम, ऑस्ट्रेलिया के पश्चिम में खुले समुद्र में आगे बाद रहा है।
- 'चक्रवात करीम' का नामकरण, दक्षिण अफ्रीकी देश 'सेशेल्स' द्वारा किया गया है।

एसएसआर और श्रीमान दिशानिर्देश

11 मई को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर भारत सरकार द्वारा 'SSR और SRIMAN दिशानिर्देश' (SSRand SRIMAN Guidelines) जारी किए गए।

- 'वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व' (Scientific Social Responsibility – SSR) दिशानिर्देशों काव्यापक उद्देश्य विज्ञान और समाज के संबंधों को मजबूत करने के लिए स्वैच्छिक आधार पर वैज्ञानिकसमुदाय की गुप्त क्षमता का दोहन करना है और इस तरह एस एंड टी इकोसिस्टम को सामाजिक जरूरतों केलिए उत्तरदायी बनाना है।
- दिशा-निर्देशों में, मुख्य रूप से विज्ञान-समाज, विज्ञान-विज्ञान और समाज-विज्ञान की खाई को पाटनाशामिल है, जिससे सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में विज्ञान के प्रति विश्वास, साझेदारी औरजिम्मेदारी त्वरित गति से आती है।
- श्रीमान दिशानिर्देशों अर्थात साइंटिफिक रिसर्च इन्फ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग मेंटेनेंस एंड नेटवर्क्स (Scientific Research Infrastructure Sharing Maintenance and Networks – SRIMAN)) दिशानिर्देशोंका उद्देश्य देश भर के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग के पेशेवरों के लिए रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर (आरआई)के कुशल उपयोग और व्यापक पहुंच को बढ़ावा देना है।

'सर्वोच्च वीरता पुरस्कार':

1. परमवीर चक्र: यह भारत का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण है, जो युद्ध के समय, चाहे जमीन पर, समुद्र में या हवामें, वीरता के विशिष्ट कार्यों का प्रदर्शन करने के लिए दिया जाता है।
2. महावीर चक्र: यह जमीन पर, समुद्र में या हवा में दुश्मन की उपस्थिति में विशिष्ट वीरता के कार्यों के लिएदिया जाने दूसरा सर्वोच्च वीरता पुरस्कार है।
3. वीर चक्र: यह परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरतापुरस्कार है।

रॉयल गोल्ड मेडल 2022

भारतीय वास्तुकार 'बालकृष्ण विट्ठलदास दोशी' को वर्ष 2022 के लिए प्रतिष्ठित 'रॉयल गोल्ड मेडल' (RoyalGold Medal) से सम्मानित किया गया।

- रॉयल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ब्रिटिश आर्किटेक्ट्स (आरआईबीए), लंदन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) द्वारा रॉयल गोल्डमेडल, वास्तुकला के लिए दुनिया के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।
- रॉयल गोल्ड मेडल, को यूनाइटेड किंगडम की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा व्यक्तिगत रूप सेअनुमोदित किया जाता है, और यह पुरस्कार, वास्तुकला की उन्नति पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्णप्रभाव छोड़ने वाले किसी व्यक्ति या लोगों के समूह को दिया जाता है।

अमृत सरोवर मिशन

इस साल अप्रैल में लॉन्च किया गया।

- 'मिशन अमृत सरोवर' (Amrit Sarovar Mission) का उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75तालाबों का "निर्माण/विकास" करना है।

- इस पहल के हिस्से के रूप में, प्रत्येक तालाब में कम से कम 1 एकड़ (0.4 हेक्टेयर) का जल-क्षेत्र होगाजिसमें लगभग 10,000 घन मीटर की जल धारण क्षमता होगी।
- सभी ग्रामीण जिलों को, हर जिले में कम से कम 75 तालाब, कुल मिलकर देश भर में लगभग 50,000अमृत सरोवरों विकसित करने का निर्देश दिया गया है।योजना में यह भी उल्लेख किया गया है, कि यदि जिला, नए अमृत सरोवर बनाने में असमर्थ है, तो वे अपनीपारिस्थितिक और उत्पादक उपयोगिता को बहाल करने के लिए मौजूदा तालाबों का कायाकल्प भी करसकते हैं।

खेल आयोजनों को 'राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं' का दर्जा

सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'खेल प्रसारण सिग्नल (प्रसार भारती के साथ अनिवार्य साझाकरण)अधिनियम' (Sports Broadcasting Signals (Mandatory Sharing with Prasar Bharati) Act) केतहत कई 'खेल आयोजनों' को 'राष्ट्रीय महत्व' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

- मार्च 2021 में जारी की गई पहली अधिसूचना को हटाते हुए, इस अधिसूचना में, सभी ओलंपिक खेलों,राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों को राष्ट्रीय महत्व की घटनाओं के रूप में घोषित किया गया है।
- इस सूची में क्रिकेट, टेनिस, हॉकी आदि जैसे खेल शामिल हैं।

एआईएम प्राइम प्लेबुक

हाल ही में, 'नीति आयोग' द्वारा 'एआईएम प्राइम प्लेबुक' (Program for Researchers in Innovation,Market Readiness, and Entrepreneurship – AIM-PRIME) प्लेबुक लॉन्च की गई।

- एआईएम-प्राइम (नवोन्मेष, बाजार के लिए तैयारी और उद्यमशीलता में शोध के लिए कार्यक्रम) कार्यक्रम काउद्देश्य, शुरुआती स्तर के वैज्ञानिक आधार वाले, तकनीकी विचारों को प्रोत्साहित करना था। यह प्रोत्साहन12 महीने तक एक मिश्रित पाठ्यक्रम से प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश देकर दिया जाना था।
- फोकस क्षेत्र: विज्ञान आधारित, ज्ञान-गहन, गहन प्रौद्योगिकी उद्यमिता।
- कार्यान्वयन एजेंसी: अटल नवाचार मिशन और नीति आयोग द्वारा बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन केसहयोग से एआईएम -प्राइम कार्यक्रम को शुरू किया गया है।